हिन्दी वर्णमाला, विराम चिन्ह

वर्णमाला : एक दृष्टि में

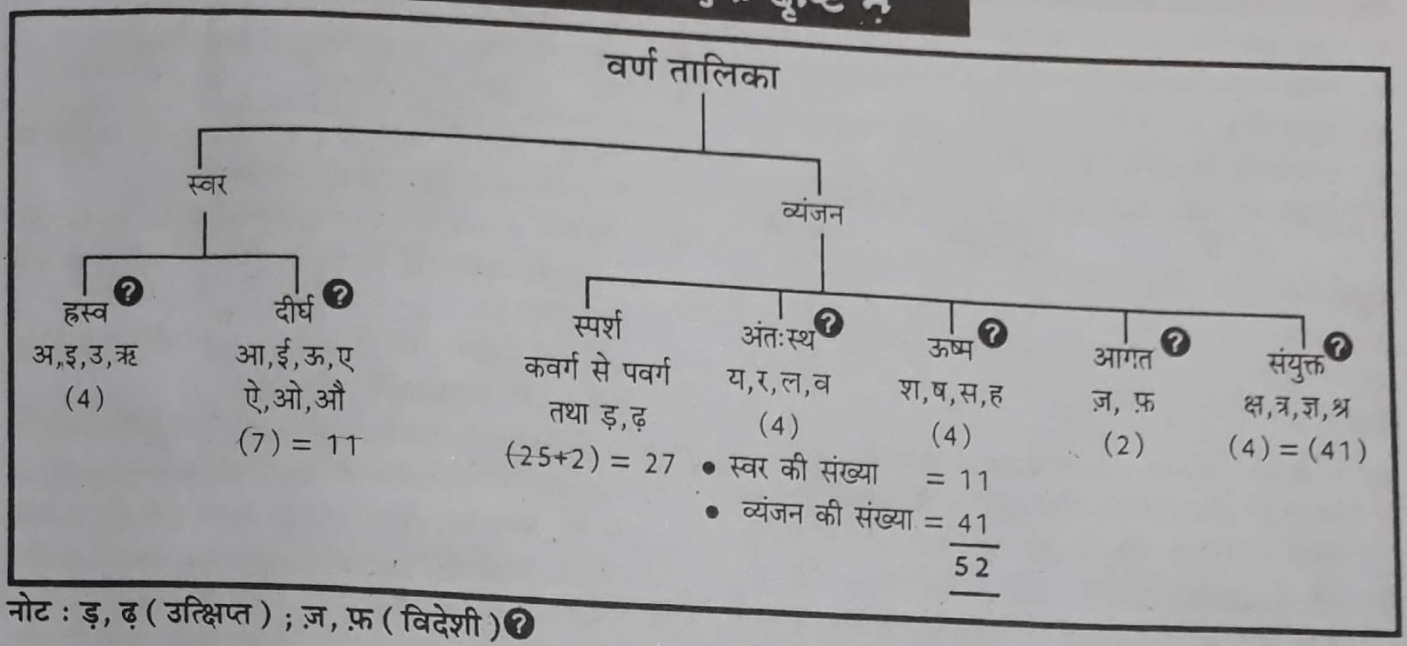

नोट : ड़, ढ़ (उत्क्षिप्त) ; ज़, फ़ (विदेशी)

वर्ण विचार

- **ध्वनि-**'भाषा' की सबसे छोटी इकाई '**ध्वनि**' है।
- **वर्ण-**लिखित चिह्न ही वर्ण कहे जाते हैं अथवा वर्ण भाषिक ध्वनियों के लिखित रूप होते हैं।
- **वर्णमाला-**वर्णों के व्यवस्थित समूह को 'वर्णमाला' कहते हैं।

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ	ए	ऐ	ओ	औ	
क	ख	ग	घ	ङ		च	छ	ज	झ	ञ	
ट	ठ	ड	ढ	ण	ड़	ढ़	त	थ	द	ध	न
प	फ	ब	भ	म		श	ष	स	ह		
य	र	ल	व			क्ष	त्र	ज्ञ	श्र		
ज़	फ़										

विशेष तथ्य

हिन्दी भाषा में प्रयुक्त होनेवाले वर्णों की संख्या 52 है। विशिष्ट क्रम से रखा गया वर्णों का समूह वर्णमाला कहलाता है। इस वर्णमाला को देवनागरी वर्णमाला या नागरी वर्णमाला भी कहते हैं।

अक्षर और व्यंजन में अन्तर

जहाँ जितने वर्ण दिए हैं वे वस्तुतः अक्षर हैं व्यंजन नहीं। क्योंकि क = क् + अ दो वर्णों का अक्षर है। यही बात अन्य वर्णों के संबंध में भी है। **शुद्ध व्यंजन का रूप है- क्, ख्, ग्, घ्, ह्** आदि।

- **उच्चारण की दृष्टि से-**वर्णमाला को दो भागों में बाँटा गया है।

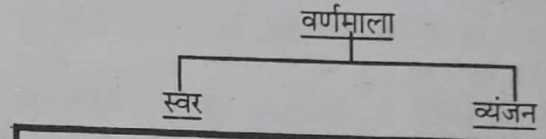

- **ह्रस्व स्वर-**अ,इ,उ,ऋ
- **दीर्घ स्वर-**आ,ई, ऊ,ए,ऐ, ओ,औ
- **आगत स्वर-**ऑ।
- **परंपरागत स्वर-** अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ,औ
- **मूल स्वर-**अ,इ,उ,ऋ
- **प्लुत स्वर-**हे राम! ओम्।

- **स्वर की परिभाषा-**जिन वर्णों का उच्चारण बिना किसी अवरोध के तथा बिना किसी दूसरे वर्ण की सहायता से होता है, उन्हें स्वर कहते हैं। **हिन्दी** में '**स्वर**' इस प्रकार हैं - **अ,आ,इ,ई, उ, ऊ, (ऋ), ए, ऐ, ओ,औ।** **संख्या- 11**
- **ह्रस्व स्वर की परिभाषा-**जिन स्वरों के उच्चारण में कम से कम समय लगता है, उन्हे **ह्रस्व स्वर** कहते हैं। ये **चार** हैं-**अ, इ, उ, ऋ,** इन्हें **मूल स्वर** भी कहते हैं ।
- **दीर्घ स्वर की परिभाषा-**जिन स्वरों के उच्चारण में ह्रस्व स्वरों से अधिक समय लगता है, उन्हें **दीर्घ स्वर** कहते हैं। ये हिन्दी मे **सात** हैं-**आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ।**
- **प्लुत स्वर की परिभाषा-**जिन स्वरों के उच्चारण में दीर्घ स्वरों से भी अधिक समय लगता है। उन्हे **प्लुत स्वर** कहते हैं। प्रायः

Scanned by CamScanner

इनका प्रयोग दूर से बुलाने के लिए किया जाता है; जैसे-हे राम!, ओम्। किसी भी स्वर का उच्चारण **प्लुतस्वर** के रूप में किया जा सकता है।

हिंदी स्वरों का वर्गीकरण : उच्चारण की दृष्टि से

- **अग्र स्वर**-जीभ के अगले भाग से
- **मध्य स्वर**-जीभ के मध्य भाग से
- **पश्च स्वर**-जीभ के पिछले भाग से
- **संवृत**-मुँह कम खुला-इ,ई,उ,ऊ।
- **विवृत**-मुँह अधिक खुला-ए,ऐ,अ,आ,ओ,औ,(ऑ)।

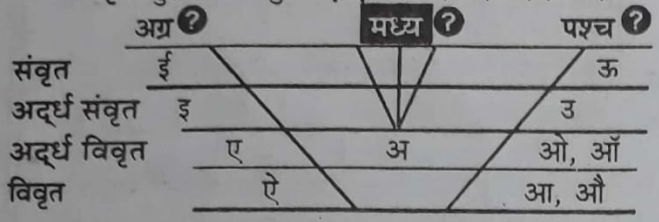

(1) जीभ का कौन-सा भाग उच्चारण में भाग लेता है ?

- **अग्र स्वर की परिभाषा**-जिन स्वरों के उच्चारण में जीभ का अगला भाग ऊपर-नीचे उठता है, **अग्र स्वर** कहे जाते हैं, जैसे -इ,ई,ए,ऐ।
- **पश्च स्वर की परिभाषा**-जिन स्वरों के उच्चारण में जीभ का पिछला भाग सामान्य स्थिति से ऊपर उठता है, **पश्च स्वर** कहे जाते हैं, जैसे- **आ,उ,ऊ,ओ,औ,ऑ**।
- **मध्य स्वर की परिभाषा**-हिन्दी में **(अ)** स्वर केंद्रीय स्वर है। इसके उच्चारण में जीभ का मध्य भाग थोड़ा-सा ऊपर उठता है।

(2) मुँह किस मात्रा में खुलता-बंद होता है ?

- **संवृत** -जिन स्वरों के उच्चारण में मुख सबसे कम खुलता है, **जैसे-ई, ऊ,** स्वरों के उच्चारण में।
- **अर्द्ध संवृत** -संवृत स्थिति से कुछ अधिक खुलता है, जैसे-इ, उ, स्वरों के उच्चारण में।
- **विवृत** -जिन स्वरों के उच्चारण में मुँह सबसे अधिक खुलता है, जैसे-**आ,ऐ,औ** के उच्चारण में।
- **अर्द्ध विवृत** -विवृत की तुलना में थोड़ा कम खुलता है, **जैसे-ए,ओ,ऑ** के उच्चारण में।

(3) ओठो की गोलाकार / अगोलाकार स्थिति के आधार पर-

- **वृत्ताकार**-जिन स्वरों के उच्चारण में ओठ गोल वृत्ताकार हो जाते हैं, **जैसे-उ, ऊ, ओ, औ, ऑ।**
- **अवृत्ताकार**-जिन स्वरों के उच्चारण में ओठ गोल वृताकार न होकर फैले से रहते हैं वे स्वर अवृत्ताकार कहे जाते हैं, जैसे- अ, आ, इ, ई, ए, ऐ।

स्वरों के पारस्परिक अंतर

अ	ह्रस्व	कंठ्य
आ	दीर्घ	कंठ्य
इ	ह्रस्व	तालव्य
ई	दीर्घ	तालव्य
उ	ह्रस्व	ओष्ठ्य
ऊ	दीर्घ	ओष्ठ्य
ऋ	ह्रस्व	मूर्धन्य
ए	दीर्घ	कंठतालव्य	अर्धविवृत
ऐ	दीर्घ	कंठतालव्य	विवृत
ओ	दीर्घ	कंठोष्ठ्य	अर्धविवृत
औ	दीर्घ	कंठोष्ठ्य	विवृत

- **विशेष** : हिंदी के स्वरों को ('ऋ' को छोड़कर क्योंकि यह हिन्दी में स्वर-रूप में नहीं बोला जाता) है।
- **विशेष-(ऋ)**-इस ध्वनि का उच्चारण सामान्यतः (र+इ) (रि) के रूप में **व्यंजनवत** ही होता है। इस ध्वनि को भी स्वरों में गिना जाता है।
- **'ऋ' का प्रयोग** -'ऋ' का प्रयोग केवल (संस्कृत) शब्दों में होता है, जैसे-**ऋण, ऋषि, ऋतु** आदि।
- **आगत स्वर**-ऑ-हिंदी में अंग्रेजी आदि अनेक यूरोपीय भाषाओं से अनेक शब्द आ गये हैं जो आज हिंदी के अपने बनकर रह गए हैं। अन्य भाषाओं से आने के कारण इसे **आगत स्वर** कहते हैं। **उदाहरण** के लिए अंग्रेजी के **copy, doctor, coffee** आदि शब्दों की 'o' ध्वनि न तो हिन्दी की (ओ) है, और न (औ)। इसका उच्चारण इन दोनों के मध्य में से ही कहीं होता है। मानक वर्तनी के अनुसार इन आगत शब्दों को 'ऑ' स्वर से लिखा जाना चाहिए जैसे-

अशुद्ध रूप	शुद्ध रूप	अशुद्ध रूप	शुद्ध रूप
डाक्टर	डॉक्टर	शाप	शॉप
कापी	कॉपी	टाफ़ी/टोफ़ी	टॉफ़ी

- **अनुनासिक स्वर**-जिन स्वरों का उच्चारण करते समय वायु को मुख के साथ-साथ नाक से भी बाहर निकल जाता है तब वे स्वर 'अनुनासिक' कहलाते हैं।
- **अनुनासिक स्वरों** का एक गुण है, हिन्दी में सभी स्वर 'अनुनासिक' हो सकते हैं। **उदाहरण-**

शब्द	ध्वनि
सँवार	अँ
सवार	आ
साँस	आँ
सास	आ
आईं	ईं
आई	ई
हैं	ऐं
है	ऐ

Scanned by CamScanner

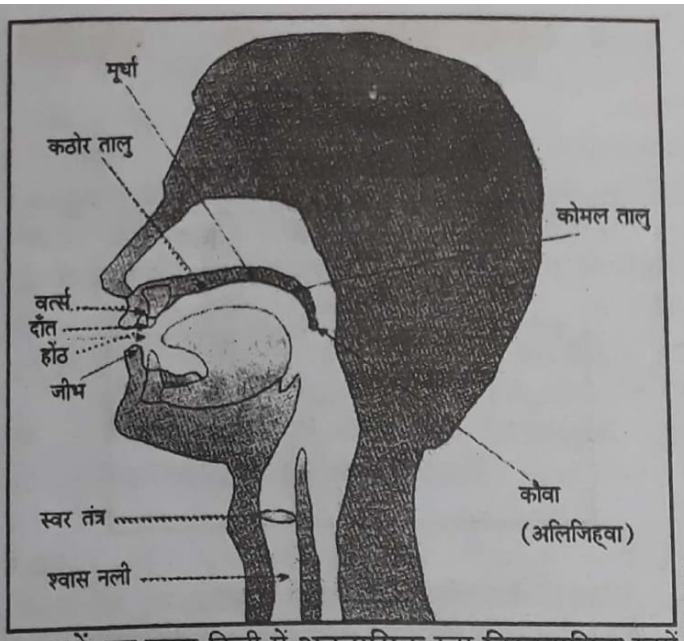

ध्यान दें-इस प्रकार हिन्दी में **अनुनासिक स्वर निरनुनासिक स्वरों** के स्थान पर आकर शब्दों का अर्थ परिवर्तन कर सकते हैं।

मात्रा-विचार

- **मात्रा की परिभाषा**-जब स्वरों का प्रयोग व्यंजनों के साथ मिलाकर किया जाता है, तब उनका स्वरूप बदल जाता है और उन्हे 'मात्रा' कहते हैं। स्वरों की मात्राएँ दी गयी हैं।

स्वर	मात्राएँ	शब्द
अ	×	–
आ	ा	काम
इ	ि	किसलय
ई	ी	खीर
उ	ु	गुलाब
ऊ	ू	भूल
ऋ	ृ	तृण
ए	े	केश
ऐ	ै	है
ओ	ो	चोर
औ	ौ	चौखट

हिंदी व्यंजनों का वर्गीकरण

(1) स्थान के आधार पर (2) प्रयत्न के आधार पर

(1) स्थान के आधार पर

वर्ग	उच्चारण स्थान	वर्ण नाम
क वर्ग क,ख,ग,घ,ङ	कंठ (गले से)	कंठ्य
च वर्ग च,छ,ज,झ,	(तालु की छत का	तालव्य
ञ, (अन्तःस्थ-य,ऊष्म-श)	पिछला भाग)	
ट वर्ग ट,ठ,ड,ढ, ण,	मूर्धा (मुँह के भीतर की	मूर्धन्य
ड,ढ़, (ऊष्म-ष)	छत का अगला भाग)	
'त' वर्ग त, थ, द, ध, न	दाँत (ऊपरी दाँतों के निकट से)	दंत्य
'प' वर्ग प, फ़, ब, भ, म	ओष्ठ (दोनों ओठों से)	ओष्ठ्य
(न) स, ज़, र, ल	वर्त्स (दाँतों के पीछे का कठोर हिस्सा)	वर्त्स्य
व ,फ	दाँतों (निचले ओठ तथा ऊपरी दाँतों से)	दंतोष्ठ्य
ह	(स्वर तंत्र से)	स्वरतंत्रीय

(2) प्रयत्न के आधार पर

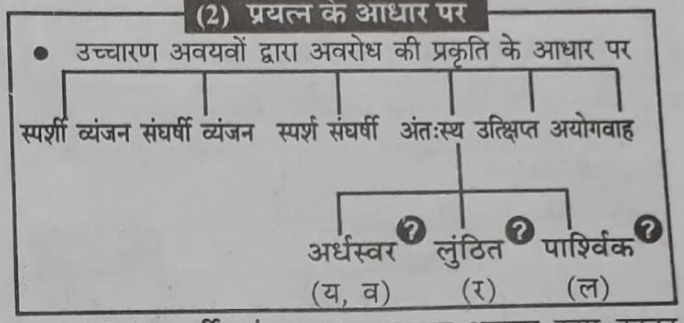

(क) स्पर्शी व्यंजन-जब उच्चारण अवयव ऊपर उठकर उच्चारण स्थान का स्पर्श करके वायु का मार्ग अवरुद्ध करते हैं तब जो व्यंजन उच्चरित होते हैं, **'स्पर्शी व्यंजन'** कहे जाते हैं। **उदाहरण-**

- **'क' वर्ग**-के व्यंजनों में जीभ का पिछला हिस्सा ऊपर उठकर गले के अगले भाग का स्पर्श करता है।
- **'त' वर्ग**-के व्यंजनों में जीभ की नोंक ऊपर के दाँतो के पास जाकर स्पर्श करती हैं और वायु मार्ग को अवरुद्ध करती है।
- **'प' वर्ग**-के व्यंजनों में निचला ओठ ऊपर के ओठ का स्पर्श कर वायु का मार्ग अवरुद्ध करता है।

(ख) संघर्षी व्यंजन-कुछ व्यंजनों के उच्चारण में उच्चारण अवयव (जीभ या निचला ओठ) उच्चारण स्थान का स्पर्श नहीं करते बल्कि उसके इतने निकट पहुँच जाते हैं कि दोनों के बीच इतनी कम जगह रह जाती है कि वायु को घर्षण करते हुए मुख से बाहर निकलना पड़ता है। इस स्थिति में जो व्यंजन **उच्चरित** किए जाते हैं, **'संघर्षी व्यंजन'** कहे जाते हैं। संस्कृत में इन्हीं व्यंजनों को **'ऊष्म'** ध्वनियाँ कहते थे।

उदाहरण -'स', 'श', 'ष', 'ह' **(ऊष्म/संघर्षी व्यंजन)**

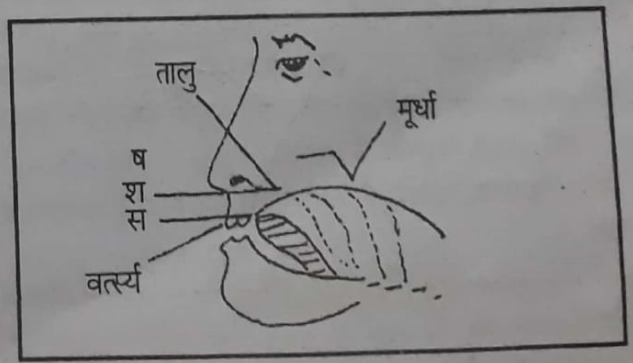

विशेष टिप्पणी-श, ष, स

Scanned by CamScanner

- **'श' का परिचय :** यह व्यंजन हिन्दी में लेखन परम्परा से आये हैं इसलिए उनके लिखने में वर्तनी-सम्बन्धी अशुद्धियाँ तो कम होती हैं, किन्तु उच्चारणगत अशुद्धियाँ व्यापक रूप से होती है।
- **'श' एक तालव्य व्यंजन है, इसे ऊष्म या संघर्षी व्यंजन** भी कहते हैं।

उच्चारण स्थान

- यह तब उच्चारित होता है जब जीभ के आगे का भाग (जीभ की नोक से थोड़ा जीभ के मध्य की ओर का भाग) वर्त्स से ऊपर लघु को स्पर्श करता है।)

- हिन्दी की बोलियों में यह ध्वनि नहीं है तथा संस्कृत के तत्सम शब्दों एवं अंग्रेज़ी-अरबी-फ़ारसी आदि विदेशी भाषाओं के शब्दों में यह उच्चारित होता है।

अशुद्ध	शुद्ध	अशुद्ध	शुद्ध
सर्मा	शर्मा	विसेस	विशेष
पाठसाला	पाठशाला	अनुसासन	अनुशासन
सांत	शांत	सिल्प	शिल्प
अधिकांस	अधिकांश	सुसोभित/शुसोभित	सुशोभित
प्रसंसा/प्रसंशा	प्रशंसा	सायद	शायद
सिकायत	शिकायत	स्टेसन	स्टेशन

- **'ष' का परिचय : 'ष' एक मूर्धन्य व्यंजन है इसे ऊष्म या संघर्षी व्यंजन भी** कहते हैं।

उच्चारण स्थान

यह जीभ के अग्र मध्य भाग द्वारा मूर्धा (तालु से ऊपर) के स्पर्श करने से होता है।

'ष' ध्वनि केवल संस्कृत के तत्सम शब्दों में है।

अशुद्ध	शुद्ध	अशुद्ध	शुद्ध
ईर्स्या/ईर्श्या	ईर्ष्या	वर्स/वर्श	वर्ष
पक्स/पक्श	पक्ष (पक्ष)	सोसण/शोशण	शोषण
हर्स/हर्श	हर्ष	कृसि/कृशि	कृषि
मनुस्य/मनुष्य	मनुष्य	विस्णु/विश्णु	विष्णु
महिसी/महिशी	महिषी (भैंस)	विसय/विशय	विषय

- **'स' का परिचय :** हिन्दी क्षेत्र के लोग प्रायः 'स' का उच्चारण ठीक से कर लेते हैं क्योंकि यह ध्वनि हिन्दी की सभी बोलियों में पहले से ही विद्यमान है।
- **'स' एक दंत्य व्यंजन है, इसे ऊष्म या संघर्षी व्यंजन** भी कहते हैं।

उच्चारण स्थान

इसका उच्चारण ऊपर के दाँतों के अन्दर वाले वर्त्स (मसूड़ों) से जीभ के आगे के भाग का स्पर्श कराने से होता है।

अशुद्ध	शुद्ध	अशुद्ध	शुद्ध
शाला	साला (पत्नी भाई)	श्रोत	स्रोत
दिवश	दिवस	शंत	संत
अनुशाशन	अनुशासन	अनुशरण	अनुसरण
तपश्या	तपस्या	सोचनीय	शोचनीय

आगत व्यंजन ? - 'क़', 'ख़', 'ग़', 'ज़', 'फ़' (संघर्षी व्यंजन) हैं। **अरबी-फ़ारसी-अंग्रेजी** आदि भाषाओं के शब्द भी आ गए हैं ।

क़

- **क़ ख़ ग़** के उच्चारण के गले में अवरोध। क, ख, ग की तुलना में कण्ठ में थोड़ा नीचे से उच्चारण तथा पूर्ण अवरोध नहीं।
- **अघोष, अल्प्राण, अलिजिह्वीय, स्पर्शसंघर्षी** ?
- कण्ठ में जिस स्थान से 'क' बोला जाता है उससे थोड़ा नीचे के स्थान से **'क़'** बोला जाता है।
- 'क' की तरह गले में पूर्ण अवरोध और फिर विस्फोट नहीं होता बल्कि अवरोध शिथिल रहता है और संघर्ष के साथ वायु गले से निकलती है इसलिए 'क़' **किंचित स्पर्श-संघर्षी ध्वनि** है।

ख़

- **अघोष, महाप्राण, कंठ्य, संघर्षी।** ?
- जहाँ से **'क़'** बोला जाता है उसके थोड़ा नीचे से इसका उच्चारण होता है।
- इसके उच्चारण में अधिक वायु गले से बाहर निकलती है, इसलिए 'क़' का यह महाप्राणीय रूप है।
- यह संघर्षी व्यंजन है, अतः गले में संकोचन तो होता है किन्तु पूरी तरह बंद नहीं होता और वायु गले में संघर्ष करती हुई खरखराहट के साथ बाहर आती है तब **ख़** का उच्चारण होता है।

ग़

- **सघोष, अल्पप्राण, कंठ्य, संघर्षी।** ?
- जहाँ से 'क़' बोला जाता है, **'ग़'** भी वहीं से बोला जाता है और वह 'ग' की तरह घोष भी है।
- **'क़'** की तरह **'ग़'** भी स्पर्श-संघर्षी है तथा गले में शिथिल अवरोध से, हवा के संघर्ष करके निकलने से उच्चारित होता है।

ज़

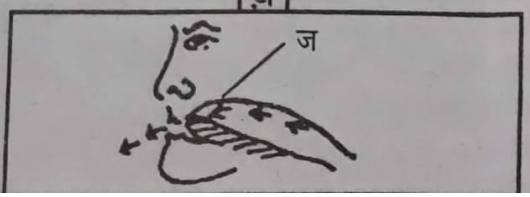

Scanned by CamScanner

- 'ज़' के उच्चारण से जीभ के अग्रभाग द्वारा ऊपर के दाँतों के पीछे वर्त्स्य (मसूड़ों) का स्पर्श किंतु पूर्ण अवरोध नहीं।
- **सघोष, अल्पप्राण, तालुवर्त्स्य, संघर्षी।**
- इसका उच्चारण जीभ के अगले हिस्से को ऊपरी दाँतों के अन्दरवाले मसूड़ों के निकट कठोर तालु के इतना निकट लाने से किया जाता है कि हवा जीभ के अगले हिस्से और कठोर तालु के बीच से संघर्ष के साथ ज़्...ज़्...ज़्-की आवाज़ करते हुए निकल सके।
- यह केवल संघर्षी है, अर्थात् जीभ के अगले हिस्से का कठोर तालु (मसूड़ों) से निकट का स्पर्श नहीं होता बल्कि जीभ स्पर्श करने में इतनी शिथिल रहती है कि, हवा ज़रज़राहट के साथ निरन्तर निकल सकती है, निकलती है।

फ़

- **अघोष, महाप्राण, संघर्षी, दंतोष्ठ्य❷।**
- **'फ़'** का उच्चारण नीचे के होंठ और ऊपर के दाँतों के स्पर्श से होता है।
- 'फ़' के उच्चारण में नीचे के होंठ और ऊपर के दाँतों को हल्का स्पर्श होने से पूर्ण अवरोध नहीं होता, और हवा दाँतों के आस-पास से संघर्ष करके निकलती रहती है, अतः यह संघर्षी ध्वनि है।
- 'फ़' के उच्चारण से पूर्व हल्के से हवा का विस्फुरण अनायास हो जाता है क्योंकि 'फ़' के उच्चारण से पूर्व भी हवा ऊपर के दाँतों एवं नीचे के होंठ के बीच से फुसफुसाहट के साथ निकल जाती है।

(ग) स्पर्श संघर्षी-कुछ ध्वनियों में जीभ पहले तो उच्चारण स्थान का स्पर्श करती है, फिर वहाँ से हटकर उच्चारण स्थान के इतना निकट रह जाती है, कि वायु को घर्षण करते हुए ही बाहर निकलना पड़ता है; अर्थात् इन ध्वनियों के उच्चारण में स्पर्श भी होता है और घर्षण भी । अत : ये **'स्पर्श-संघर्षी'** व्यंजन कहे जाते हैं।

उदाहरण- हिंदी में **च-वर्ग के व्यंजन -**'च','छ','ज', 'झ', (स्पर्श-संघर्षी)

(घ) अन्तःस्थ-'य', 'र', 'ल', 'व', परंपरागत रूप से अन्तःस्थ व्यंजन कहे जाते हैं। इनके उच्चारण में श्वास का अवरोध व्यंजनों की तुलना में कम मात्रा में होता है।

उदाहरण -

लुंठित- (जीभ मुँख के मध्य में आ जाती है और 'र' बार-बार झटके से आगे-पीछे गिरती है।)

अर्धस्वर-(श्वास का अवरोध व्यंजनों की तुलना में) कम मात्रा में होता है।) **य, व,**

पार्श्विक-(जीभ की नोंक बीच में आकर मुँह के एक) **'ल'** ओर या दोनों ओर पार्श्व बना लेती है।)

(ङ) उत्क्षिप्त - हिंदी के ड़/ढ़ व्यंजन उत्क्षिप्त व्यंजन कहे जाते हैं। ड़/ढ़ (इनके उच्चारण में जीभ ऊपर मूर्धा को स्पर्श करके तुरंत नीचे गिरती है।)

(च) अयोगवाह- हिंदी की वर्णमाला के अनुस्वार (ं) तथा विसर्ग (ः) को 'अ' का आधार लेकर (अं) तथा (अः) के रूप में दिखाया जाता है। वस्तुतः ये स्वर ध्वनियाँ तो हैं नहीं। यह परंपरागत ढंग से इन्हें स्वरों में गिनाया जाता है। संस्कृत वैयाकरणों ने इन्हें अयोगवाह कहा है।

अनुस्वार और विसर्ग दोनों स्वर भी हैं; व्यंजन भी हैं। आचार्य किशोरी दास वाजपेयी इन्हें अयोगवाह कहते हैं- जो योग न होने पर साथ रहें, उन्हें अयोगवाह कहते हैं।

स्वरतंत्रियों में उत्पन्न कंपन के आधार पर

- **अघोष❷**-इन ध्वनियों के उच्चारण में स्वरतंत्रियों में कंपन नहीं होता है। **(प्रत्येक वर्ग के प्रथम और द्वितीय वर्ण)** तथा **फ़, श, ष, स अघोष** हैं।
- **सघोष❷**- इन ध्वनियों के उच्चारण में स्वरतंत्रियों में कंपन होता है। (**प्रत्येक वर्ग के तृतीय, चतुर्थ तथा पंचम वर्ण**) तथा **ड़, ढ़, ज़, य, र, ल, व, ह (एवं सभी स्वर)** सघोष हैं ।

अघोष व्यंजन		सघोष व्यंजन				
प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	पंचम		
क,	ख,	ग	घ	ङ		
च,	छ,	ज	झ	ञ	ज़	
ट,	ठ,	ड	ढ	ण	ड़	ढ़
त,	थ,	द	ध	न		
प,	फ, फ़	ब	भ	म		
श	ष, स,	य	र	ल	व	ह

श्वास (प्राण) की मात्रा के आधार पर

- **अल्पप्राण❷** - प्राण का अर्थ 'वायु'। इनके उच्चारण में फेफड़ों से बाहर निकलने वाली वायु की मात्रा कम होती है। **(प्रत्येक वर्ग में प्रथम, तृतीय,पंचम वर्ण तथा य, र, ल, व)। (अन्तःस्थ वर्ण)**
- **महाप्राण❷** - इनके उच्चारण में फेफड़ों से बाहर निकलने वाली वायु की मात्रा अपेक्षाकृत अधिक होती है; **(प्रत्येक वर्ग के द्वितीय और चतुर्थ वर्ण)** तथा **श,ष,स,ह, (ऊष्म वर्ण)**।

अल्पप्राण			महाप्राण	
प्रथम	तृतीय	पंचम	द्वितीय	चतुर्थ
क	ग	ङ	ख	घ
च	ज	ञ	छ	झ
ट	ड	ण ड़	ठ	ढ ढ़
त	द	न	थ	घ
प	ब	म	फ	भ
य	र	ल, व (अन्तःस्थ वर्ण)	श	ष स ह (ऊष्म वर्ण)

Scanned by CamScanner

वायु के नासिका से निकलने के आधार पर

- **नासिक्य एवं निरनुनासिक व्यंजन**-जिन ध्वनियों के उच्चारण में वायु मुख के साथ-साथ नासिका मार्ग से भी बाहर निकलती है, 'नासिक्य' ध्वनियाँ कही जाती हैं।
- **निरनुनासिक/मौखिक** -जिनके उच्चारण में नासिका मार्ग बंद रहता है और वायु केवल मुख से ही बाहर निकलती है, 'निरनुनासिक' या 'मौखिक' ध्वनियाँ कही जाती हैं।
- **नासिक्य ध्वनियाँ**❷-हिन्दी में पंचवर्गीय व्यंजनों के अंतिम पाँचों व्यंजन - ङ्, ञ्, ण्, न्, म्।
- **अनुस्वार**-(ं) तथा अनुनासिक स्वर (ँ) भी नासिक्य ध्वनियों के उदाहरण हैं ।
- **आगत व्यंजन**-क़, ख़, ग़, ज़, फ़, विदेशी भाषाओं की ध्वनियाँ।

हिंदी में नव विकसित व्यंजन

- ड़, ढ़, न्ह, म्ह, ल्ह (हिंदी के संरचनात्मक विकास का परिणाम) 'ड़' तथा 'ढ़' क्रमशः - 'ड' तथा 'ढ' से विकसित हुए हैं। हिन्दी में ड/ढ व्यंजन तो शब्द के आरंभ में व्यंजन गुच्छों में ही बोले जाते हैं।
- **'न','ल' तथा 'म' अल्पप्राण व्यंजन** है। आज इनके महाप्राण रूप 'न्ह', 'म्ह' तथा 'ल्ह' स्वतंत्र व्यंजनों की भाँति विकसित हो गए हैं, जो न, म, ल के स्थान पर प्रयुक्त होकर शब्द के अर्थ परिवर्तन की क्षमता रखते हैं । **जैसे** - (1) काना (न्) (2) कुमार (म्) कान्हा (न्ह्) कुम्हार (म्ह्) (3) आला (ल्) आल्हा (ल्ह्)

संयुक्त व्यंजनों का स्वतंत्र प्रयोग

संयुक्त व्यंजन❷ - संयुक्त व्यंजन शब्द का अर्थ है - जहाँ दो या दो से अधिक व्यंजनों का संयोग रहा हो।

क्ष = (क् +ष) त्र = (त् + र)
ज्ञ = (ज् + ञ) श्र = (श् + र)

संयुक्त व्यंजनों को **व्यंजन गुच्छ** भी कहते हैं। इनकी पहचान यही है कि एक से अधिक व्यंजन एक साथ आकर गुथ जाते हैं, तथा इन व्यंजनों के मध्य कोई स्वर नहीं आता है।

जैसे -

सप्ताह - प् + त राष्ट्रीय - ष् + ट् + र
स्वप्न - प् + न विख्यात - ख् + य
स्त्री - स् + त् + र लक्ष्य - क् + श् + य

- **व्यंजन द्वित्व**❷-जब समान व्यंजन संयुक्त होते हैं । तब वे 'व्यंजन द्वित्व' कहे जाते हैं, जैसे-पक्का, बच्चा, अड्डा, सत्तर, अस्सी, नब्बे, इक्का आदि ।
- **विशेष तथ्य** : हिन्दी में **दो महाप्राण** व्यंजन कभी 'द्वित्व' होकर **नहीं** आते। पहला व्यंजन हमेशा **अल्पप्राण** ही होगा जैसे-अच्छा, बुद्धू, मट्ठा, पत्थर, मक्खी आदि ।

स्वरों का वर्गीकरण

वर्ण	उच्चारण-स्थान	ह्रस्वस्वर	दीर्घस्वर	निरानुनासिक /मौखिक स्वर	अनुनासिक स्वर
कंठ्य	कंठ	अ	आ	अ, आ	अँ, आँ
तालव्य	तालु (मुँह के भीतर की छत का पिछला भाग)	इ	ई	इ	इँ
मूर्धन्य	मूर्धा (मुँह के भीतर की छत का अगला भाग)	ऋ			
	कंठ + तालु (कंठतालव्य)	-	ए, ऐ		
	ओष्ठ + कंठ (कंठोष्ठय)	–	ओ, औ		
ओष्ठ्य	ओष्ठ/ओंठ	उ	ऊ		

व्यंजनों का वर्गीकरण व उच्चारण स्थान

वर्ण नाम	उच्चारण स्थान	अघोष अल्पप्राण	अघोष महाप्राण	सघोष अल्पप्राण	सघोष महाप्राण	सघोष अल्पप्राण नासिक्य
कंठ्य	कंठ	क	ख	ग	घ	ङ
तालव्य	तालु मुँह के भीतर की छत का पिछला भाग	च	छ	ज ज़	झ	ञ
मूर्धन्य	मूर्धा मुँह के भीतर की छत का अगला भाग	ट	ठ	ड	ढ ढ़	ण
दंत्य	ऊपरी दाँतों के निकट से	त	थ	द	ध	न
ओष्ठ्य	दोनों ओठों से	प	फ फ़	ब	भ	म

Scanned by CamScanner

वर्ण नाम	उच्चारण स्थान	अघोष अल्पप्राण	अघोष महाप्राण	सघोष अल्पप्राण	सघोष महाप्राण	सघोष अल्पप्राण नासिक्य
तालव्य	तालु (मुँह के भीतर की छत का अगला भाग)	–	श	य		
वर्त्स्य	दंत + मसूड़ा (दंत मूल से)	–	स	र, ल		
दंत्योष्ठ्य	ऊपर के दाँत + निचला ओंठ	–	–	व		
मूर्धन्य	मूर्धा भीतर की छत का अगला भाग	–	ष	–		
स्वरयंत्रीय	स्वर यंत्र (कंठ के भीतर स्थित)	–	–	–	ह	
उत्क्षिप्त	जिनके उच्चारण में जीभ ऊपर उठकर झटके के साथ नीचे को आये।	–	–	ड़	ढ़	

- **आगत/गृहीत ध्वनियाँ.....** क.....स्पर्शी
  ख़, ग़, ज़, फ़..... (ऊष्म / संघर्षी)
- **अयोगवाह–** अनुस्वार (ं) , विसर्ग (ः)

विराम-चिन्ह

विराम का अर्थ है, ठहराव या रुकना। जिस तरह हम काम करते समय बीच-बीच में रुकते और फिर आगे बढ़ते हैं, वैसे ही लेखन में भी विराम की आवश्यकता होती है, अतः पाठक के मनोविज्ञान को ध्यान में रखते हुए भाषा में विरामों का उपयोग आवश्यक है। **श्री कामता प्रसाद गुरु** जी ने विराम चिन्हों को अंग्रेजी से लिया हुआ मानते हैं। वे पूर्ण विराम को छोड़ **शेष सभी विराम चिह्नों को अंग्रेजी से सम्बद्ध करते हैं।**

विराम चिह्नों के भेद

श्री कामता प्रसाद गुरु ने विराम चिह्न **बीस** बताये हैं, ये है-

1. अल्प विराम (,)
2. अर्द्ध विराम (;)
3. पूर्ण विराम (।)
4. प्रश्न चिह्न (?)
5. आश्चर्य चिह्न (!) विस्मयादि चिह्न।
6. निर्देशक चिह्न (डैश) (–) संयोजक चिह्न। सामासिक चिह्न।
7. कोष्ठक ( ) [ ] { }
8. अवतरण चिह्न (‘ ’) उद्धरण चिह्न
9. उप विराम (अपूर्ण विराम) (:) इसे श्री गुरु विसर्ग के समकक्ष बताकर मान्यता देने की भी बात करते हैं।
10. विवरण चिह्न (:-)
11. पुनरुक्तिसूचक चिह्न (” ”)
12. लाघव चिह्न (0)
13. लोप चिह्न (....., ++++)
14. पाद चिह्न (-)
15. दीर्घ उच्चारण चिह्न (ऽ)
16. पाद बिन्दु (÷)
17. हंसपद (^)
18. टीका सूचक (*, +, $\overset{+}{+}$, 2)
19. तुल्यता सूचक (=)
20. समाप्ति सूचक (–0–, – – –)

1. **अल्प विराम–** भाषा को पढ़ने या बोलने में जो थोड़ी देर का ठहराव आता है, उसे **अल्प विराम** कहते हैं।
   जैसे- सोहन, श्याम और राधा दौड़ रहे हैं।

Scanned by CamScanner

राम, श्याम, गोविन्द और राघव पढ़ रहे हैं।

2. **अर्द्ध विराम**❷—वाक्य में जब अल्प विराम से अधिक ठहराव आता है **तो अर्द्ध विराम** का प्रयोग किया जाता है। यह तीन स्थितियों में लगता है एक तो जहाँ प्रमुख वाक्य और अन्य खंडो में बहुत अधिक संबंध न हो तथा जहाँ वाक्य और उपवाक्य पूरी तरह असम्बद्ध हों, और जहाँ वाक्य तथा उसके खण्डों में कथन पर परिणाम अन्त में आये।
जैसे-आओ; बैठो; खेलो; पर बदमाशी मत करो।

3. **उपविराम**—श्री कामता प्रसाद गुरु ने इस विराम चिह्न का उल्लेख नहीं किया है। जब बोलने या लिखने में **अल्प विराम से भी अधिक ठहराव आता** है, तो **वहाँ उपविराम** होता है जैसे-
साकेत : एक अध्ययन।
कामायनी : एक अनुशीलन।

4. **पूर्ण विराम (।)**—यह वाक्य की समाप्ति का बोधक है अर्थात् पूर्ण विराम वाक्य में पूरी तरह ठहराव और वाक्य के सम्पूर्ण अर्थ का बोधक भी है। अधोलिखित स्थितियों में इसका प्रयोग होता है।
(क) **वाक्य के अन्त में—**
राम पुस्तक पढ़ता है।
सैनिक युद्ध में वीरतापूर्वक लड़े।
(ख) **कहानी उपन्यास लिखने में**—वह डाकू। कितना भयानक था उसका चेहरा।
(ग) **छन्द के चरणों की समाप्ति पर-**
• रहेउ एक दिन अवधि अधारा। समुझत मन दुख भएउ अपारा।

5. **प्रश्नवाचक चिह्न (?)**—पूर्ण अर्थ बताने वाले **प्रश्नवाचक वाक्यों के अन्त में यह चिह्न लगता** है-
तुम कब आओगे? तुम क्या खाओगे?
वह क्यों नहीं आया?

6. **विस्मयादि बोधक चिह्न❷ (आश्चर्य चिह्न) (!)**—हर्ष, शोक, प्रसन्नता, उत्साह, आश्चर्य, घृणा आदि भावों की अभिव्यक्ति करने वाले वाक्यों में विस्मयादिबोधक अव्वयों के बाद यह चिह्न लगता है। श्री गुरु ने इसे आश्चर्य चिह्न कहा है-
आह! वह बेचारा चल बसा- **शोक**
छिः छिः ! तुम कितने घृणित आदमी हो- **घृणा**

7. **उद्धरण चिह्न अवतरण चिह्न (" ")**—अवतरण चिह्न जब किसी के कथन को या किसी पुस्तक के अंश को ज्यों का त्यों उद्धृत करते हैं, तो प्रारम्भ में और अन्त में **उद्धरण चिह्न लगाते हैं, जैसे—**
"कबीर वाणी के डिक्टेटर थे।"-डॉ० हजारी प्रसाद द्विवेदी।

8. **संयोजक चिह्न❷ (-)**—हिन्दी में इसे **सामासिक चिह्न** भी कहते हैं। **दो सहचर** अथवा **विपरीतार्थ शब्दों के मध्य** यह चिह्न प्रस्तुत होता है।
आचार-विचार, रंग-रूप, आना-जाना (सहचर शब्द)।

9. **कोष्ठक ( )**—इसका प्रयोग किसी शब्द के अर्थ को स्पष्ट करने, क्रमांक को घेरने के लिए तथा नाटकों में पात्र की गतिविधियों अथवा रंग संकेतों के लिए होता है।
सुमित्रानन्दन (लक्ष्मण), कौन्तेय (अर्जुन), राधेय (कर्ण)
अर्थ का स्पष्टीकरण सन्तों के तीन प्रमुख गुण हैं-(1) **सदाचरण** (2) **सत्यभाषण** (3) **ईश्वर भजन-क्रमांक निर्देश**
नेता-(अपनी तिरछी हो गयी टोपी सीधी करते हुए) मैं उस अधिकारी को सबक सिखा दूँगा-नाट्य संकेत
श्री कामता प्रसाद गुरु ने कोष्ठक के और दो भेद बताये हैं-
1. वर्गाकारकोष्ठक [ ]
2. सर्पाकारकोष्ठक { }

वर्गाकार कोष्ठक [ ] : इसका प्रयोग भूल सुधारने अथवा शब्द में किसी त्रुटि के सही दिखाने के लिए किया जाता है। यह कोष्ठक को घेरने का काम भी करता है।

अनुवादित	[अनूदित] ग्रन्थ	भूलसुधार
साकेत (महाकाव्य)	[लेखक मैथिलीशरण गुप्त]	अन्य कोष्ठकों में भिन्नता

सर्पाकार कोष्ठक : श्री गुरु के अनुसार-"इसका उपयोग एक वाक्य के ऐसे शब्दों को मिलाने में होता है जो अलग पंक्ति में लिखे जाते हैं, और जिनका संबंध किसी एक साधारण पद से होता है।"
इस प्रकार कोष्ठक कुल तीन प्रकार के हुए—
1. ( ) 2. [ ] 3. { }

10. **विवरण चिह्न❷ :—किसी स्थान, वस्तु या व्यक्ति के वर्णन में इस चिह्न का** प्रयोग होता है-उत्तर प्रदेश में कई बड़े नगर हैं; जैसे :— **लखनऊ, कानपुर, इलाहाबाद, वाराणसी।**

11. **पुनरुक्ति (" ")**—एक ही वस्तु को बार-बार दोहराने से बचने के लिए इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

जैसे—	**वस्तु का नाम**	**वजन**
	चीनी	पाँच किलो
	आटा	" "
	चावल	" "

12. **लाघव चिह्न (0)**—श्री कामता प्रसाद गुरु इसे संकेत करते है। अंग्रेजी में इसका खूब चलन हैं। पूरे शब्द के स्थान पर उसका प्रारम्भिक शब्द रखकर (0) लगा देना लाघव चिह्न कहलाता है, जैसे-

प्र० डा० घ०	प्रधान डाक घर।
अ० ब० यो०	अल्प बचत योजना।

13. **लोप चिह्न (.....)**—श्री गुरु इसे स्थान पूरक चिह्न कहते हैं। जब किसी का उद्धरण देते हैं और उसमें कुछ छोड़ना चाहते हैं-तो उस छोड़े हुए भाग को **लोप चिह्न** लगाकर संकेतित करते हैं, जैसे-लेखक ने.....जैसे कई विषयों पर पुस्तक लिखी हैं।

Scanned by CamScanner

14. **पाद चिह्न** (—)–इसे श्री गुरु ने रेखा नाम से अभिहित किया है। जिन शब्दों पर अधिक ध्यान दिलाने की आवश्यकता होती है, उनके नीचे एक लाइन खींच दी जाती है। इसे ही **पाद चिह्न** या **रेखा** कहते हैं। दोनों शब्दों के नीचे खींची गयी पाद रेखा ही, यहाँ उदाहरण समझी जा सकती है।
हिन्दी की प्रमुख व्याकरणिक कोटियाँ **संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया** तथा **अव्यय** हैं।

15. **दीर्घउच्चारण चिह्न**-(ऽ) हिन्दी में **प्लुत स्वरों** के उच्चारण में इसका प्रयोग होता है। श्री गुरु ने इसकी चर्चा नहीं की।
नहीं ऽऽऽ तुम मत आना।
हे राम ऽऽऽ ! हे प्रभो ऽऽऽ।

16. **पाद बिन्दु**- (÷) हिन्दी में अरबी, फारसी से आये शब्दों के नीचे लगने वाला चिह्न पाद बिन्दु है। यह क़, ख़, ज़, फ़, वाले शब्दों में लगता है। अब हिन्दी में इस चिह्न का चलन समाप्त सा हो रहा है। श्री गुरु ने चर्चा नहीं की है।
ग़ज़ल, ख़ौफ़, ख़िदमत, ज़मीन, ज़बान, क़िस्मत आदि।

17. **हंसपद**- (^) लिखने मे कोई अक्षर छूट जाता है तो उसकी जगह हंस पद लगाकर ऊपर वह शब्द लिख देते हैं, जैसे-
श्री कामता प्रसाद गुरु ने हंस पद चिह्न की चर्चा की है।
कुछ
मैं तुम्हें ^ देना चाहता हूँ।
में
वह लिस्ट ^ अपना नाम नहीं चाहता।

18. **टीकासूचक चिह्न** - (*, +, +, 2) श्री गुरु के अनुसार पृष्ठ के नीचे अथवा हासिए में कोई सूचना देने के लिए तारांकित, एक धन या दो धन का चिह्न या कोई अंक लिख देते हैं। शोध ग्रन्थों की पाद टिप्पणियों में अंक दिया जाता है । **कार्यालयीय-कार्यों में तारांकित या धनांकित चिह्नों का प्रयोग किया जाता है।**

19. **तुल्यतासूचक** - **(=) शब्दार्थ दिखाने या गणित में तुल्यता सूचित करने में यह चिह्न व्यवहृत होता है, जैसे-**
पाषाण = पत्थर।
धरा = पृथ्वी।
विडौजा = इन्द्र।
4 + 2 = 6, 8 + 4 = 12, 50 + 30 = 80, अ = ब।

20. **समाप्ति सूचक-(-0- या - - -)** किसी लेख अथवा पुस्तक या फिर अध्याय की समाप्ति पर यह चिह्न लिखा जाता है; जैसे-यह अध्याय यहीं समाप्त हो रहा है, और नीचे उपर्युक्त चिह्न बना दिया जायेगा, पुस्तक के सभी अध्यायों की समाप्ति पर, यह चिह्न बना दिया गया है।
— 0 — अध्याय समाप्ति।
— — —पुस्तक समाप्ति।

विभिन्न परीक्षाओं में पूछे गये 'वर्णमाला' से सम्बन्धित प्रश्नोत्तर

B.Ed. : 2005 (A.U) (P.U.)

- वह छोटी से छोटी ध्वनि जिसके टुकड़े नहीं हो सकते, उसे क्या कहते हैं?–**वर्ण**
- उच्चारण के आधार पर वर्ण के भेद बताओ–**दो**
- जिन वर्णों के उच्चारण में दूसरे वर्णों की सहायता की आवश्यकता नहीं होती, उन्हें क्या कहते हैं?– **स्वर**
- दीर्घ स्वरों की संख्या बतायें– **सात**
- किसी स्वर के उच्चारण में लगने वाले समय को क्या कहते हैं?–**मात्रा**
- 'ट' वर्ग से सम्बन्धित व्यंजन बतायें– **'ण'**

B.Ed. : 2006 (A.U)

- हिंदी वर्णमाला में स्वरों की कुल संख्या कितनी है– **11**

B.Ed. : 2010 (A.U)

- भाषा की सबसे छोटी इकाई है –**वर्ण**

Railway Exam : 1997

- कंठय ध्वनियाँ कौन-सी है? –**क, ख**
- मूर्धन्य व्यंजन कौन-से है? –**ड, ढ**
- 'अल्प प्राण' वर्ण कौन से हैं? –**क,ग**
- 'नासिक्य' व्यंजन कौन-सा है? –**ङ, ञ, ण, न, म**
- 'ए' 'ऐ' वर्ण क्या कहलाते हैं– **कंठतालव्य**
- 'अयोगवाह' वर्ण कौन से हैं?–**अं, अः।**
- किस शब्द में द्वित्व व्यंजन है? – **दिल्ली**
- 'श', 'ष', 'स', 'ह' कौन-से व्यंजन कहलाते हैं?–**संघर्षी/ऊष्म**
- कौन-सा घोष वर्ण है?–**म**
- हिंदी में मूलतः वर्णों की संख्या कितनी है?–**52**

Bank Exam : 2002

- 'क्ष' ध्वनि किससे अन्तर्गत आती है?–**संयुक्तवर्ण के**
- अघोष वर्ण कौन-सा है? –**स (महाप्राण)**
- 'घ' का उच्चारण स्थान कौन-सा है?–**कंठ**
- संयुक्त व्यंजन है?–**ज्ञ**

U.P.S.I. Exam : 2002 (BEd. 2012)

- 'ज्ञ' वर्ण किन वर्णों के संयोग से बना है? –**ज् + ञ**
- हिंदी शब्दकोश में 'क्ष' का क्रम किस वर्ण के बाद आता है -**क**

U.P. T.G.T. (Hindi) Exam. - 2010

- हिंदी की 'श' ध्वनि है– तालव्य – **अघोष महाप्राण**

Delhi Sub. Exam. - 2006

- 'क्ष' वर्ण किसके योग से बना है?–**क् + ष**
- य, र, ल, व किस प्रकार के व्यंजन है?–**अन्तःस्थ**
- महाप्राण वर्ण का अर्थ क्या है?—**जिसके उच्चारण में श्वास लेने में समय अधिक लगे।**
- हिंदी में मूलतः वर्णों की संख्या कितनी है। –**52**

Scanned by CamScanner

- जिन वर्णों का उच्चारण बिना किसी अवरोध के तथा बिना किसी दूसरे वर्ण की सहायता से होता है, उन्हें क्या कहते हैं? - **स्वर**
- जिन स्वरों के उच्चारण में कम समय लगता है, उन्हें क्या कहते हैं?- **ह्रस्व स्वर**
- जिन स्वरों के उच्चारण में ह्रस्व स्वरों से अधिक समय लगता है, उन्हें क्या कहते हैं? - **दीर्घ स्वर**
- ह्रस्व स्वर हैं- **अ, इ, उ, ऋ**
- मूल स्वर हैं - **अ, इ, उ, ऋ**
- दीर्घ स्वर हैं- **आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ।**
- आगत स्वर हैं- **ऑ**
- अग्र स्वर हैं - **इ, ई, ए, ऐ**
- मध्य स्वर हैं - **अ**
- पश्च स्वर हैं- **आ, उ, ऊ, ओ, औ, ऑ**
- संवृत स्वर हैं - **ई, ऊ**
- अर्द्ध संवृत हैं - **इ, उ**
- विवृत हैं - **आ, ऐ, औ**
- अर्द्ध विवृत हैं - **ए, अ, ओ, ऑ**
- व्यंजनों की संख्या- **(41)**
- स्पर्श व्यंजनों की संख्या- **(27)**
- अंतःस्थ व्यंजनों की संख्या- **(4)**
- ऊष्म व्यंजनों की संख्या - **(4)**
- आगत व्यंजनों की संख्या - **(2)**
- संयुक्त व्यंजनों की संख्या- **(4)**
- **क-वर्ग** ध्वनियाँ हैं - **क्, ख्, ग्, घ्, ङ।**
- **च-वर्ग** ध्वनियाँ हैं - **च्, छ्, ज्, झ्, ञ्**
- **ट-वर्ग** ध्वनियाँ हैं - **ट, ठ्, ड्, ढ्, ण् (ड़्, ढ़्)**
- **त-वर्ग** ध्वनियाँ हैं- **त्, थ्, द्, ध्, न्**
- **प-वर्ग** ध्वनियाँ हैं- **प्, फ्, ब्, भ्, म्**
- **अन्तःस्थ** व्यंजन हैं- **य, र, ल, व**
- **अर्धस्वर** हैं- **य, व**
- **लुंठित** व्यंजन हैं - **र**
- **पार्श्विक** व्यंजन हैं- **ल**
- **ऊष्म-संघर्षी** व्यंजन हैं-**स, श, ष, ह**
- **उत्क्षिप्त** व्यंजन हैं- **ड़, ढ़**
- अघोष व्यंजन हैं- **प्रत्येक वर्ग के प्रथम और द्वितीय वर्ण तथा फ़, श, ष, स**
- सघोष व्यंजन हैं- **प्रत्येक वर्ग के तृतीय, चतुर्थ, पंचम वर्ण तथा ड़, ढ़, ज़, य, र, ल, व, ह (एवं सभी स्वर सघोष हैं)**
- अल्पप्राण व्यंजन हैं- **प्रत्येक वर्ग में प्रथम, तृतीय, पंचम वर्ण तथा अन्तःस्थ वर्ण**
- महाप्राण व्यंजन हैं- **प्रत्येक वर्ग के द्वितीय व चतुर्थ वर्ण तथा ऊष्म वर्ण।**

नासिक्य व्यंजन हैं- **ङ्, ञ्, ण्, न्, म्**

कंठ व्यंजन है - **क्, ख्, ग्, घ्, ङ**

अनुप्रेक्षा

- हिंदी में मूलतः वर्णों की संख्या कितनी है। **–52**
- 'क्ष' वर्ण किसके योग से बना है?–**क् +ष्**
- कौन सा वर्ण उच्चारण की दृष्टि से दंत्य नहीं है?–**ट**
- 'क' वर्ण उच्चारण की दृष्टि से क्या है?–**कंठ्य**
- वह छोटी से छोटी ध्वनि जिसके टुकड़े नहीं हो सकते, उसे क्या कहते हैं?–**वर्ण**
- हिंदी वर्णमाला में स्वरों की कुल संख्या कितनी है– **11**
- कंठ्य ध्वनियाँ कौन-सी है? –**क, ख**
- 'ए' 'ऐ' वर्ण क्या कहलाते हैं– **कंठतालव्य**
- 'अयोगवाह' वर्ण कौन से हैं?–**अं, अः।**
- अघोष वर्ण कौन-सा है? –**स (महाप्राण)**
- हिंदी की 'श' ध्वनि है– तालव्य – **अघोष (महाप्राण)**
- य, र, ल, व किस प्रकार के व्यंजन हैं?–**अन्तःस्थ**
- उद्धरण चिन्ह का प्रयोग कब किया जाता है? - **जब किसी कथन का ज्यों-का-त्यों लिखा जाता है।**
- संक्षिप्त रूप दिखाने के लिए विराम चिन्ह हैं- **(0)**
- निर्देशक चिन्ह का प्रयोग किया जाता है- **संकेत के लिए**
- रात्रि-निशा में रिक्त स्थान पर उचित चिन्ह का प्रयोग कीजिए-**(=)**
- लोप निर्देश (.....) का प्रयोग कहाँ किया जाता है? - **जब पूर्व बात की पुनरुक्ति करनी हो।**

- तालव्य व्यंजन हैं- **च्, छ्, ज्, झ्, ञ्, श्, य्**
- मूर्धन्य व्यंजन है-**ट्, ठ्, ड्, ढ्, ण, (ढ़), ष**
- दंत्य व्यंजन हैं- **त्, थ्, द, ध्, न्**
- ओष्ठ्य व्यंजन हैं- **प्, फ (फ़), ब्, भ्, म्**
- वर्त्स्य व्यंजन हैं- **स, र्, ल,**
- दंत्योष्ठ्य व्यंजन हैं- **व्**
- स्वरयंत्रीय व्यंजन हैं- **ह्**
- विराम का अर्थ है- **ठहराव**
- श्री कामता प्रसाद गुरु के अनुसार विराम चिन्हों की संख्या है- **(20)**
- अल्प विराम का चिन्ह है- **(,)**
- अर्द्ध विराम का चिन्ह है - **(;)**
- हंस पद किस विराम का एक और नाम है - **त्रुटि विराम**
- 'राम कहाँ जा रहा है' इस वाक्य में किस विराम चिन्ह का प्रयोग होगा। - **?**
- पूर्ण विराम का प्रयोग किया जाता है- **वाक्य के अंत में**
- उप विराम चिन्ह है - **(:)**
- किस विराम चिन्ह का प्रयोग सर्वाधिक होता है- **(,) अल्प विराम**

Scanned by CamScanner

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित विविध परीक्षाओं में पूछे गये वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर

1. हिंदी वर्णमाला में ऊष्म व्यंजन कौन से हैं?
(a) श, ष, स, ह (b) त, थ, द, ध
(c) ट, ठ, ड, ढ (d) च,छ, ज, झ
उत्तर– (a) U.P.P.C.S. (Pre) - 2012

2. हिंदी के जिन वर्णों का उच्चारण करते समय केवल श्वास का प्रयोग किया जाए उन वर्णों को कहते हैं-
(a) अघोष (b) सघोष
(c) अल्पप्राण (d) महाप्राण
उत्तर– (a) U.P.P.C.S. (Pre) - 2012

3. य, र, ल, व व्यंजनों को कहते हैं?
(a) स्पर्श व्यंजन (b) अन्तःस्थ व्यंजन
(c) ऊष्म व्यंजन (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं
उत्तर– (b) U.P.P.C.S. (Pre) - 2013

4. निम्नलिखित में ओष्ठ ध्वनि नहीं है :
(a) च में (b) प में
(c) भ में (d) म में
उत्तर– (a) U.P.P.S.C. G.I.C.(P.G.T.) Exam. - 2009

5. हिन्दी की तालव्य ध्वनियाँ हैं-
(a) च, छ, ज, झ (b) प, फ, ब, भ
(c) त, थ, द, ध (d) ट, ठ, ड, ढ
उत्तर– (a) U.P.P.S.C. G.I.C. (P.G.T.) Exam. - 2009

6. कौन सी ध्वनि अल्पप्राण है?
(a) ख (b) ध
(c) थ (d) त
उत्तर– (d) U.P.P.S.C. G.I.C. (P.G.T.) Exam. - 2009

7. हिन्दी की स्पर्श, घोष, महाप्राण, दन्त्य, व्यंजन ध्वनि है-
(a) भ् (b) द्
(c) थ् (d) ह्
उत्तर– (c) U.P.P.S.C. G.I.C. (P.G.T.) Exam. - 2009

8. हिन्दी की स्पर्श घोष, महाप्राण, ओष्ठ्य व्यंजन ध्वनि है-
(a) भ् (b) द्
(c) थ् (d) ह्
उत्तर– (a) U.P.P.S.C. G.I.C. (P.G.T.) Exam. - 2009

9. निम्नलिखित में से कौन सा स्वर संवृत है?
(a) आ (b) औ
(c) इ (d) ऐ
उत्तर– (c) U.P.P.S.C. G.I.C. (P.G.T.) Exam. - 2009

10. हिन्दी की मूर्धन्य ध्वनियाँ हैं-
(a) च, छ, ज, झ (b) ट, ठ, ड, ढ
(c) प, फ, ब, भ (d) त, थ, द, ध
उत्तर– (b) U.P.P.S.C. G.I.C. (P.G.T.) Exam. - 2009

11. हिन्दी की 'ब' ध्वनि है-
(a) दंत्य ध्वनि (b) ओष्ठ्य ध्वनि
(c) वात्सर्य ध्वनि (d) तालव्य ध्वनि
उत्तर– (b) U.P.P.S.C. G.I.C. (P.G.T.) Exam. - 2009

12. निम्नलिखित में से दंत्य ध्वनि हैं :
(a) क (b) छ
(c) त (d) प
उत्तर– (c) U.P.P.S.C. G.I.C. (P.G.T.) Exam. - 2009

13. निम्नलिखित में कौन सा स्वर संवृत है?
(a) आ (b) औ
(c) इ (d) ऐ
उत्तर– (c) U.P.P.S.C. G.I.C. (P.G.T.) Exam. - 2009

14. निम्नलिखित ध्वनियों में कौन सी दंत्योष्ठ्य है?
(a) थ (b) फ
(c) म (d) व
उत्तर– (d) U.P.P.S.C. G.I.C. (P.G.T.) Exam. - 2009

15. निम्नलिखित वर्णों में से कौन सा मूर्धन्य ध्वनियों का है?
(a) च, छ, ज, झ (b) ट, ठ, ड, ढ
(c) प, फ, ब, भ (d) त, थ, द, ध
उत्तर– (b) U.P.P.S.C. G.I.C. (P.G.T.) Exam. - 2009

16. 'श' ध्वनि का उच्चारण स्थान है-
(a) मूर्धन्य (b) तालव्य
(c) दन्त्य (d) ओष्ठ्य
उत्तर– (b) U.P.P.S.C. G.I.C. (P.G.T.) Exam. - 2009

17. निम्न में से कौन-सा व्यंजन पार्श्विक है?
(a) श (b) ल
(c) झ (d) य
उत्तर– (b) U.P.P.S.C. G.I.C. (P.G.T.) Exam. - 2009

18. प्रयत्न के आधार पर 'ल' किस प्रकार की ध्वनि है?
(a) पार्श्विक (b) उत्क्षिप्त
(c) प्रकंपित (d) संघर्षहीन
उत्तर– (a) UGC NET/J.R.F. June Exam. - 2015

19. निम्नलिखित में से कौन-सा पश्च स्वर है?
(a) आ (b) ब
(c) ज (d) ढ
उत्तर– (a) UGC NET/J.R.F. June Exam. - 2005

20. आधुनिक व्याकरण की दृष्टि से 'ब्' वर्ण का वैशिष्ट्य है -

Scanned by CamScanner

(a) ओष्ठ्य, स्पर्श, अल्पप्राण, अघोष, निरनुनासिक
(b) द्वयोष्ठ्य, स्पर्श, अल्पप्राण, घोष, निरनुनासिक
(c) द्वयोष्ठ्य, स्पर्श-संघर्षी, अल्पप्राण, अघोष निरनुनासिक
(d) ओष्ठ्य, स्पर्श, महाप्राण, सघोष, निरनुनासिक
उत्तर– (b) U.P. P.G.T. (Hindi) Exam. - 2000

21. निम्नलिखित में से कौन-सा वर्ण उच्चारण की दृष्टि से दन्त्य नहीं है?
(a) त (b) न (c) द (d) ट
उत्तर– (d) U.P. T.G.T. (Hindi) Exam. - 2003

22. 'क्ष' वर्ण किसके योग से बनता है?
(a) क् + ष (b) क् + च
(c) क् + छ (d) क् + श
उत्तर– (a) U.P. T.G.T. (Hindi) Exam. - 2003

23. 'स्वर ध्वनि' के प्रकार हैं ?
(a) दीर्घ (b) प्लुत
(c) ह्रस्व (d) उपर्युक्त तीनों
उत्तर– (d) U.P. P.G.T. (Hindi) Exam. - 2004

24. हिन्दी वर्णमाला में वर्ण हैं :
(a) 50 (b) 52 (c) 54 (d) 55
उत्तर– (b) U.P. P.G.T. (Hindi) Exam. - 2005

25. वर्णमाला किसे कहेंगे ?
(a) शब्द-समूह को (b) वर्णो के संकलन को
(c) शब्द-गणना को (d) वर्णो के व्यवस्थित समूह को।
उत्तर– (d) U.P. T.G.T. (Hindi) Exam. - 2009

26. हिंदी की 'श' ध्वनि है
(a) मूर्धन्य (b) तालव्य (c) दंत्य (d) ओष्ठ्य
उत्तर– (b) U.P. T.G.T. (Hindi) Exam. - 2009

27. निम्नलिखित में कठ्य ध्वनियाँ कौन-सी है-
(a) क, ख (b) य, र
(c) च, ज (d) ट, ण
उत्तर– (a) U.P. T.G.T. (Hindi) Exam. - 2010

28. 'ओ, औ किस प्रकार के वर्ण हैं?
(a) तालव्य (b) मूर्धन्य
(c) दन्तोष्ठ्य (d) कंठोष्ठ्य
उत्तर– (d) U.P. P.G.T. (Hindi) Exam. - 2010

29. निम्न में अर्द्धस्वर कहलाता है-
(a) य (b) प (c) र (d) ल
उतर - (a) U.P. T.G.T. (Hindi) Exam. - 2013

30. महाप्राण ध्वनियाँ व्यंजन-वर्ग में किससे संबंधित हैं?
(a) पहला, दूसरा (b) दूसरा, तीसरा
(c) दूसरा, चौथा (d) पहला, चौथा
उतर - (c) U.P. T.G.T. (Hindi) Exam. - 2013

31. भाषा की सार्थक लघुत्तम इकाई है
(a) शब्द (b) पद (c) ध्वनि (d) वाक्य
उतर - (c) U.P. T.G.T. (Hindi) Exam. - 2013

32. इनमें से कौन व्यंजन अल्पप्राण है?
(a) ख (b) थ (c) च (d) फ
उतर - (c) U.P. T.G.T. (Hindi) Exam. - 2013

33. इनमें से कौन सा वर्ण स्पर्श व्यंजन नहीं है?
(a) क (b) च (c) ट (a) य
उतर - (d) U.P. T.G.T. (Hindi) Exam. - 2013

34. निम्नलिखित में से कंठ्य ध्वनियाँ कौन-सी हैं?
(a) क, ख (b) य, र
(c) च, ज (d) ट, ण
उत्तर– (a) R.R.B. Exam. - 1997, 2003

35. निम्नलिखित में से उच्चारण-स्थान के आधार पर मूर्धन्य व्यंजन बताइए?
(a) ग, घ (b) ज, झ
(c) ड, ढ (d) प, फ
उत्तर– (c) R.R.B. Exam. - 2003

36. निम्नलिखित में से 'अल्पप्राण' वर्ण कौन-से हैं?
(a) अ, आ (b) क, ग (c) थ, ध (d) फ, भ
उत्तर– (b) R.R.B. Exam. - 2003

37. निम्नलिखित में से बताइये कि नवीन विकसित ध्वनियाँ कौन-सी हैं?
(a) ख़, ग़ (b) उ, ऊ
(c) ऐ, औ (d) श, स
उत्तर– (a) R.R.B. Exam. - 2004, 1997

38. निम्नलिखित में से कौन-सा घोष वर्ण है?
(a) ख (b) च (c) म (d) छ
उत्तर– (c) R.R.B. Exam. - 2004, 2008

39. निम्नलिखित में से 'नासिक्य' व्यंजन कौन-सा है?
(a) ष (b) ञ (c) ग (d) ज
उत्तर– (b) R.R.B. Exam. - 2003

40. 'ए', 'ऐ' वर्ण क्या कहलाते हैं?
(a) नासिक्य (b) मूर्धन्य
(c) ओष्ठ्य (d) कण्ठ्य-तालव्य
उत्तर– (d) R.R.B. Exam. - 2004

41. निम्नलिखित में से किसे हिन्दी की मानक वर्णमाला में स्थान नहीं दिया गया है?
(a) ल्र (b) कृ (c) श्री (d) ड़
उत्तर– (c) R.R.B. Exam. - 2004

42. 'श', 'ष', 'स', 'ह' कौन से व्यंजन कहलाते हैं?
(a) प्रकम्पी व्यंजन (b) स्पर्शी व्यंजन
(c) स्पर्श व्यंजन (d) ऊष्म-संघर्षी व्यंजन
उत्तर– (d) R.R.B. Exam. - 2004

Scanned by CamScanner

43. कौन-सा अमानक वर्ण है?
(a) ख (b) घ (c) झ (d) भ
उत्तर– (c) B.Ed. Entrance Exam.- 1999

44. 'क़', 'ग़' 'ज़', 'फ़' ध्वनियाँ किसकी हैं?
(a) संस्कृत की (b) अरबी-फारसी की
(c) अंग्रेजी की (d) दक्षिणी भाषाओं की
उत्तर– (b) B.Ed. Entrance Exam. - 2000)

45. निम्नलिखित में से कौन-सा वर्ण घोष है–
(a) प (b) ट (c) द (d) फ
उत्तर– (c) B.Ed. Entrance Exam. -2001

46. Vowel को हिंदी में कहते हैं–
(a) अक्षर (b) व्यंजन
(c) स्वर (d) संवृत
उत्तर– (c) B.Ed. Entrance Exam. - 2002

47. जिन शब्दों के अंत में 'अ' आता है, उन्हें क्या कहते हैं?
(a) अनुस्वार (b) अयोगवाह
(c) अंतःस्थ (d) अकारांत
उत्तर– (d) B.Ed. Entrance Exam. - 2002

48. हिन्दी-भाषा में मूलत: वर्णों की संख्या कितनी मानी गयी है?
(a) 50 (b) 51
(c) 52 (d) 53
उत्तर– (c) B.Ed Entrance Exam.- 2002

49. निम्नलिखित में ओष्ठ ध्वनि है–
(a) ल (b) र
(c) स (d) फ
उत्तर– (d) B.Ed. Entrance Exam. - 2003

50. निम्नलिखित में से एक वर्ण व्यंजन नहीं है–
(a) उ (b) ख
(c) र (d) य
उत्तर– (a) B.Ed Entrance Exam.- 2003

51. कौन स्वर नहीं है?
(a) अ (b) उ (c) ए (d) ब
उत्तर– (d) B.Ed. Entrance Exam.- 2004

52. निम्नलिखित में से कौन-सा 'ट वर्ग' का नहीं है?
(a) ठ (b) ढ (c) ण (d) घ
उत्तर– (d) B.Ed. Entrance Exam.- 2006

53. हिन्दी-वर्णमाला के स्वरों की कुल संख्या कितनी है ?
(a) 10 (b) 11 (c) 12 (d) 13
उत्तर– (b) B.Ed. Entrance Exam. - 2007

54. निम्नलिखित में से कौन-सा स्वर नहीं है?
(a) अ (b) उ (c) ए (d) ज
उत्तर– (d) B.Ed. Entrance Exam.- 2007

55. निम्नलिखित में से कौन सी ध्वनि ओष्ठ्य नहीं है?
(a) प (b) ब
(c) म (d) त
उत्तर– (d) B.Ed Entrance Exam.- 2007

56. इनमें से कौन-सा वर्ण स्वर है?
(a) ऐ (b) ल
(c) क (d) ल्
उत्तर– (a) B.Ed. Entrance Exam. - 2007

57. निम्नलिखित में से अन्तःस्थ व्यंजन कौन-सा है?
(a) ड (b) य
(c) स (d) ट
उत्तर– (b) B.Ed. Entrance Exam. - 2007

58. इनमें से 'ओ' का उच्चारण-स्थल कौन-सा है?
(a) दन्त (b) मूर्द्धा
(c) दन्त (d) कण्ठ-ओष्ठ
उत्तर– (d) B.Ed. Entrance Exam. - 2007

59. 'च' और 'छ' वर्ण का उच्चारण-स्थान कौन-सा है?
(a) तालु (b) मूर्द्धा
(c) ओष्ठ (d) कण्ठ
उत्तर– (a) B.Ed. Entrance Exam.- 2007

60. हिन्दी-वर्णमाला में व्यंजनों की संख्या कितनी है?
(a) 32 (b) 33
(c) 34 (d) 35
उत्तर– (b) B.Ed. Entrance Exam.- 2008

61. भाषा की सबसे छोटी इकाई किसे कहते हैं?
(a) शब्द (b) व्यंजन
(c) स्वर (d) वर्ण (अक्षर)
उत्तर– (d) B.Ed. Entrance Exam. - 2008

62. निम्नलिखित शब्दों में किस शब्द के द्वित्व व्यञ्जन हैं?
(a) पुन: (b) इलाहाबाद
(c) दिल्ली (d) उत्साह
उत्तर– (c) B.Ed. Entrance Exam. - 2008

63. हिन्दी-शब्दकोश में 'क्ष' का क्रम किस वर्ण के बाद आता है?
(a) क (b) छ
(c) त्र (d) ज्ञ
उत्तर– (a) B.Ed. Entrance Exam. - 2012

64. 'क्ष' ध्वनि किस स्वर के अन्तर्गत आती है?
(a) मूल स्वर (b) घोष वर्ण
(c) संयुक्त वर्ण (d) तालव्य
उत्तर– (c) Bank Exam. - 2002

65. निम्नलिखित में से अघोष वर्ण कौन-सा है?
(a) ब (b) ज (c) ह (d) स
उत्तर– (d) Bank Exam. - 2002

Scanned by CamScanner

66. 'घ' का उच्चारण स्थान कौन-सा है?
(a) मूर्द्धा (b) कण्ठ (c) तालु (d) दन्त्य
उत्तर– (b) Bank Exam. - 2008

67. निम्नलिखित में से संयुक्त व्यंजन कौन सा है?
(a) ढ (b) ज्ञ (c) ङ (d) ड़
उत्तर– (b) Bank Exam. - 2002

68. 'ज्ञ' वर्ण किन वर्णों के संयोग से बना है?
(a) ज + ञ (b) ज् + ञ
(c) ज + ध (d) ज + न्य
उत्तर– (b) U.P.S.I. Exam. - 2002

69. कौन वर्ण ओष्ठ्य नहीं है?
(a) म (b) ब (c) ऊ (d) आ
उत्तर–(d) R.T.E.T. - 2011, IInd Paper

70. अल्पप्राण ध्वनियों का समूह कौन है?
(a) क, ख, ग (b) च, ज, ञ
(c) त, थ, न (d) ट, ठ, ण
उत्तर–(b) R.T.E.T. - 2011, IInd Paper

71. 'वर्ण' शब्द का अर्थ नहीं होता है-
(a) रंग (b) आकाश
(c) जाति (d) अक्षर
उत्तर–(b) R.T.E.T. - 2011, IInd Paper

72. कौन वर्ण घोष नहीं है?
(a) र (b) त (c) अ (d) ड
उत्तर–(b) R.T.E.T. - 2011, IInd Paper

73. किन ध्वनियों को 'अनुस्वार' कहा जाता है?
(a) स्वर के बाद के आने वाली नासिक्य ध्वनियाँ
(b) स्वतन्त्र रूप से उच्चरित ध्वनियाँ
(c) स्वर के साथ आने वाली ध्वनियाँ
(d) व्यंजन के बाद में आने वाली ध्वनियाँ
उत्तर–(a) R.T.E.T. - 2011, IInd Paper

74. किस शब्द में 'ऋ' स्वर नहीं है?
(a) कृपा (b) कृष्णा (c) दृष्टि (d) रिवाज
उत्तर–(d) R.T.E.T. - 2011, IInd Paper

75. निम्नलिखित में से 'दंतव्य' वर्ण है-
(a) य (b) च् (c) त् (d) उ
उत्तर–(c) U.P.T.E.T. - 2013, IInd Paper

76. 'घ' का उच्चारण-स्थान कौन-सा है?
(a) मूर्द्धा (b) कण्ठ
(c) तालु (d) दन्त
उत्तर–(b) U.P.T.E.T. - 2013, Ist Paper

77. हिन्दी शब्दकोश के अनुसार संतान, सकल, सचल, सक्षम शब्दों का सही क्रम है?
(a) संतान, सकल, सचल, सक्षम
(b) सकल, संतान, सचल, सक्षम
(c) सकल, सचल, संतान, सक्षम
(d) संतान, सकल, सक्षम, सचल
उत्तर–(d) H.T.E.T. - 2012, IInd Paper

78. निम्न में से महाप्राण वर्ण है-
(a) थ (b) क (c) व (d) च
उत्तर–(a) H.T.E.T. - 2013, IInd Paper

79. हिन्दी शब्द कोश में अं व अः किस वर्ण के साथ आता है?
(a) औ (b) अ (c) अः (d) आ
उत्तर–(b) U.P.T.E.T. - 2013, IInd Paper

80. 'क्ष' वर्ण किसके योग से बना है?
(a) क् + ष (b) क् + च
(c) क् + छ (d) क् + श
उत्तर–(a) U.P.T.E.T. - 2013, Ist Paper

81. निम्न में से कौन-सा शब्द अमात्रिक है?
(a) कारखाना (b) अमिताभ
(c) कलरव (d) चहचहाना
उत्तर–(c) U.P.T.E.T. - 2014, IInd Paper

82. खड़ी पाईवाले व्यंजनों का संयुक्त रूप कैसे बनाया जाना चाहिए?
(a) विसर्ग लगाकर (b) खड़ी चौपाई को हटाकर
(c) दो खड़ी पाई लगाकर (d) दो स्वर लगाकर
उत्तर– (b)

83. विसर्ग से बना शब्द कौन-सा है?
(a) अध! (b) निःस्पृह
(c) द्वित्व (d) थोड़ा-सा
उत्तर– (b)

84. तालव्य व्यंजन है-
(a) द, ट, ड, ढ (b) च, छ, ज, झ
(c) त, थ, द, थ (d) म, फ, ज, भ
उत्तर– (b)

85. कौन वर्ण घोष नहीं है?
(a) र (b) ल (c) स (d) ड
उत्तर– (c)

86. किस शब्द में 'ऋ' स्वर नहीं है?
(a) कृपा (b) कृष्ण (c) दृष्टि (d) आज
उत्तर– (d)

Scanned by CamScanner